भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1064** जिसका उत्तर
शुक्रवार, **22 जुलाई**, 2022/31 आषाढ़, 1944 (शक) को दिया जाना है

बंदरगाहों पर पर्यावरण अनुकूल अवसंरचना

†1064. श्री मोहनभाई कुंडारिया:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का 2024 तक भारत को 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए बंदरगाहों पर एक उत्कृष्ट पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढांचा बनाने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस दिशा में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/ उठाए जा रहे हैं;

(ग) क्या सरकार ने पोत परिवहन उद्योग के सतत विकास और वृद्धि के लिए भारत के विशाल समुद्र तटीय क्षेत्र का दोहन करने के लिए कोई योजना तैयार की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा सभी भारतीय बंदरगाहों को दुनिया भर में अन्य वैश्विक बंदरगाहों के समान विकसित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/ उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): जी, हां। भारत सरकार पोत परिवहन क्षेत्र से उत्सर्जन को कम करने तथा 'नेट-जीरो' के विकास और न्यून-उत्सर्जन समाधानों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2030 तक सभी पत्तनों को विद्युत के संबंध में पूर्णत: आत्मनिर्भर बनाया जाना है। पत्तनों की ऊर्जा संबंधी सभी आवश्यकताएं नवीकरणीय स्रोतों से पूरी की जानी हैं। इस पहल के

अंतर्गत पर्यावरण अनुकूल/प्राकृतिक समाधानों जैसे प्राकृतिक प्रकाश या ऊर्जा-कुशल प्रकाश व्यवस्था, स्वचालित और सुव्यवस्थित स्टोरेज प्रणाली, रूफ टॉफ सोलर, एचवीएलएस पंखों का इस्तेमाल और वर्षा जल संचयन आदि का प्रयोग करते हुए पर्यावरण अनुकूल-भंडारण की व्यवस्था करना शामिल है।

(ग): सागरमाला कार्यक्रम पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय का प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य भारत की 7,500 कि.मी. लंबी तटरेखा, नौचालन संभावित 14,500 कि.मी. जलमार्ग तथा प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मैरीटाइम व्यापार मार्गों पर रणनीतिक अवस्थिति का लाभ उठाते हुए देश के पत्तन आधारित विकास को बढ़ावा देना है। सागरमाला कार्यक्रम के भाग के रूप में देश के पूर्वी और पश्चिमी ओर के सभी तटीय राज्यों में वर्ष 2015 से 2035 के दौरान कार्यान्वित किए जाने हेतु लगभग 5.5 लाख करोड़ रु. की अनुमानित लागत वाली 800 से अधिक परियोजनाएं चिन्हित की गई हैं। सागरमाला परियोजनाओं में विभिन्न श्रेणी की परियोजनाएं शामिल हैं, जैसे मौजूदा पत्तनों और टर्मिनलों का आधुनिकीकरण, नए पत्तन, टर्मिनल, रो-रो और पर्यटन जेट्टियां, पत्तन संपर्कता में विस्तार, अंतर्देशीय जलमार्ग, दीपस्तंभ पर्यटन, पत्तनों के समीप औद्योगीकरण, कौशल विकास, प्रौद्योगिकी केंद्र आदि। इसके अतिरिक्त, तटीय जिलों के समग्र विकास के तहत लगभग 58,000 करोड़ रु. के अनुमानित लागत वाली कुल 567 परियोजनाएं चिन्हित की गई हैं।

(घ): भारत में वैश्विक मानकों के अनुरूप पत्तनों का विकास करने के लिए मैरीटाइम इंडिया विजन (एमआईवी), 2030 के अंतर्गत विश्व स्तरीय मेगा पत्तन का विकास, ट्रांसशिपमेंट केंद्र, और पत्तनों की अवसंरचना का औद्योगीकरण जैसी पहलों की पहचान की गई है। एमआईवी, 2030 के अंतर्गत भारतीय पत्तनों पर क्षमता संवर्धन और विश्व स्तरीय अवसंरचना के विकास के लिए 1,00,000-1,25,000 करोड़ रु. के निवेश का अनुमान लगाया गया है।

*****